केदारनाथ सिंह - 'बनारस' और 'दिशा' (काव्य खंड)

10 बहुविकल्पी प्रश्न (MCQ)

1. 'बनारस' कविता के कवि कौन हैं?

A) अज्ञेय B) केदारनाथ सिंह C) निराला D) प्रसाद

उत्तर: B) केदारनाथ सिंह

2. केदारनाथ सिंह का जन्म किस ज़िले के चकिया गाँव में हुआ?

A) वाराणसी B) बलिया C) गोरखपुर D) आज़मगढ़

उत्तर: B) बलिया

3. 'बनारस' कविता में किस नदी की विशेष उपस्थिति है?

A) यमुना B) सरयू C) गंगा D) गोमती

उत्तर: C) गंगा

4. 'बनारस' में "खाली कटोरों में वसंत उतरना" किसका संकेत है?

A) उत्सव B) गरीबी में भी आशा C) क्रोध D) विलास

उत्तर: B) गरीबी में भी आशा

5. 'दिशा' कविता में कवि किससे प्रश्न करता है?

A) नाविक से B) पुजारी से C) बच्चे से D) साधु से

उत्तर: C) बच्चे से

6. 'दिशा' में बच्चा हिमालय की दिशा कैसे बताता है?

A) नक्शे से B) सूरज देखकर C) पतंग की उड़ान से D) नदी देखकर

उत्तर: C) पतंग की उड़ान से

7. 'बनारस' कविता का प्रमुख भाव क्या है?

A) केवल रोमांस B) केवल करुणा C) परंपरा और आधुनिकता का सहअस्तित्व D) व्यंग्य

उत्तर: C) परंपरा और आधुनिकता का सहअस्तित्व

8. केदारनाथ सिंह की कविता की भाषा सामान्यतः कैसी मानी जाती है?

A) अत्यंत संस्कृतनिष्ठ B) दुरूह C) सहज और बोलचाल की D) उर्दू-प्रधान

उत्तर: C) सहज और बोलचाल की

9. 'बनारस' में शहर को "धीरे-धीरे" होने से क्या संकेत मिलता है?

A) ठहराव और निरंतरता B) डर C) उत्सव D) आलस्य

उत्तर: A) ठहराव और निरंतरता

SOLANKI SIR

10. ‘दिशा’ कविता का मूल संदेश क्या है?

A) भूगोल-ज्ञान B) बाल-मन की सरल दृष्टि से सत्य तक पहुँचना C) पर्यटन D) इतिहास

उत्तर: B) बाल-मन की सरल दृष्टि से सत्य तक पहुँचना

---

10 एक-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. **प्रश्न:** ‘बनारस’ के कवि कौन हैं?
   उत्तर: केदारनाथ सिंह।
2. **प्रश्न:** ‘बनारस’ कविता में मुख्य नदी कौन-सी है?
   उत्तर: गंगा।
3. **प्रश्न:** कविता में शहर किस तरह “खुलता, भरता और खाली होता” दिखाया गया है?
   उत्तर: जीवन की निरंतर गति के रूप में।
4. **प्रश्न:** ‘दिशा’ में कवि किससे हिमालय की दिशा पूछता है?
   उत्तर: एक बच्चे से।
5. **प्रश्न:** बच्चा दिशा कैसे बताता है?
   उत्तर: पतंग की उड़ान देखकर।
6. **प्रश्न:** ‘खाली कटोरों में वसंत उतरना’ किस भाव का संकेत है?
   उत्तर: अभाव में भी आशा का।
7. **प्रश्न:** केदारनाथ सिंह किस तरह की संवेदना के कवि हैं?
   उत्तर: मानवीय संवेदनाओं के।
8. **प्रश्न:** ‘बनारस’ में परंपरा का प्रमुख प्रतीक क्या है?
   उत्तर: घाट, मंदिर और गंगा।
9. **प्रश्न:** ‘दिशा’ कविता का स्वर कैसा है?
   उत्तर: बाल-सुलभ और सहज।
10. **प्रश्न:** केदारनाथ सिंह को कौन-सा प्रमुख पुरस्कार मिला?
    उत्तर: साहित्य अकादमी पुरस्कार (अन्य सम्मानों के साथ)।

SOLANKI SIR

10 तीन-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. 'बनारस' कविता का मुख्य विषय क्या है?

उत्तर: यह शहर की जीवन-लय दिखाती है।
परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चलते हैं।
शहर खुलता, भरता और खाली होता दिखता है।

2. 'खाली कटोरों में वसंत उतरना' का अर्थ बताइए।

उत्तर: यह अभाव के बीच आशा का प्रतीक है।
गरीबी के बावजूद जीवन-रस बना रहता है।
शहर की जीवटता प्रकट होती है।

3. कविता में "धीरे-धीरे" की पुनरावृत्ति का भाव क्या है?

उत्तर: समय की निरंतरता और ठहराव।
शहर की स्थिर-चलायमान लय।
जीवन की शांत गति।

4. 'दिशा' में बच्चे का उत्तर क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: वह दिशा को अनुभव से बताता है।
पतंग की उड़ान उसके लिए संकेत है।
यह बाल-मन की सच्ची दृष्टि दिखाता है।

5. 'बनारस' में गंगा की भूमिका क्या है?

उत्तर: गंगा शहर की आत्मा है।
घाट, नाव, आरती–सब उसी से जुड़े हैं।
परंपरा की निरंतरता दिखती है।

6. केदारनाथ सिंह की भाषा-शैली कैसी है?

उत्तर: सहज, बोलचाल की और चित्रात्मक।
अनावश्यक आडंबर नहीं।
भाव सीधे पाठक तक पहुँचते हैं।

7. 'बनारस' में आधुनिकता कैसे दिखती है?

उत्तर: शहर की रोज़मर्रा की गति में।
धूल, लोग, घंटे, शाम–सब बदलते रहते हैं।
पर परंपरा भी बनी रहती है।

SOLANKI SIR

8. 'दिशा' कविता का दार्शनिक संकेत क्या है?

उत्तर: सत्य तक पहुँचने के कई रास्ते होते हैं।
बाल-मन की दृष्टि भी विश्वसनीय है।
अनुभव ज्ञान का स्रोत है।

9. 'बनारस' में शहर का व्यक्तित्व कैसे उभरता है?

उत्तर: मानवीय गतिविधियों से।
घाट, मंदिर, भीड़, धूल–सब मिलकर।
शहर एक जीवित इकाई बन जाता है।

10. इन दोनों कविताओं में समानता क्या है?

उत्तर: दोनों में अनुभव की सादगी है।
जीवन के छोटे दृश्य बड़े अर्थ देते हैं।
मानवीय दृष्टि केंद्र में है।

---

10 दीर्घ प्रश्न-उत्तर

1. 'बनारस' कविता का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: 'बनारस' कविता शहर की जीवन-लय को पकड़ती है। वसंत का आना, धूल का उठना, घाटों की गतिविधियाँ, भिखारियों की कटोरियाँ–सब मिलकर शहर की जीवंतता रचते हैं। परंपरा (गंगा, घाट, मंदिर) और आधुनिक जीवन साथ-साथ चलते हैं। शहर "धीरे-धीरे" अपनी सामूहिक लय में बँधा दिखता है–खुलता, भरता और खाली होता हुआ। यह कविता बनारस को एक जीवित, सांस लेता शहर बनाकर प्रस्तुत करती है।

2. 'खाली कटोरों में वसंत उतरना' पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: यह पंक्ति अभाव के बीच आशा का प्रतीक है। भिखारियों की खाली कटोरियाँ गरीबी का संकेत हैं, पर उनमें वसंत उतरना जीवन-रस और उम्मीद का संकेत देता है। शहर की करुण सच्चाई के साथ उसकी जिजीविषा भी प्रकट होती है।

3. 'बनारस' में परंपरा और आधुनिकता का सहअस्तित्व कैसे दिखता है?

उत्तर: परंपरा गंगा, घाट, मंदिर, आरती और तुलसीदास की खड़ाऊँ से आती है; आधुनिकता लोगों की रोज़मर्रा की चाल, धूल, घंटे और समय की गति से। कविता दिखाती है कि दोनों साथ-साथ चलते हैं और शहर की पहचान बनाते हैं।

4. 'धीरे-धीरे' की पुनरावृत्ति का काव्य-प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: यह शहर की शांत, निरंतर चलती लय को रचती है। समय के प्रवाह, लोगों की चाल और शाम के उतरने की प्रक्रिया–सब एक सामूहिक, स्थिर-गतिशील लय में बँधे दिखते हैं।

SOLANKI SIR

5. 'दिशा' कविता का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: कवि एक बच्चे से हिमालय की दिशा पूछता है। बच्चा पतंग की उड़ान की ओर इशारा करता है। कवि को पहली बार समझ आता है कि दिशा केवल नक्शे से नहीं, अनुभव से भी जानी जा सकती है। यह बाल-मन की सहज बुद्धि और अनुभव-ज्ञान की महत्ता दिखाती है।

6. 'दिशा' में बाल-मन की दृष्टि का महत्व बताइए।

उत्तर: बच्चा तर्क नहीं, अनुभव से दिशा बताता है। उसकी सरल दृष्टि कवि को नया बोध देती है कि ज्ञान के रास्ते अनेक हैं और सरलता भी सत्य तक पहुँचा सकती है।

7. केदारनाथ सिंह की काव्य-भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: उनकी भाषा सहज, बोलचाल की, पारदर्शी और चित्रात्मक है। शिल्प में अनायासपन है, जिससे अनुभव सीधे पाठक तक पहुँचता है। वे रोज़मर्रा के दृश्यों से गहरे अर्थ रचते हैं।

8. 'बनारस' में शहर को जीवित इकाई के रूप में कैसे प्रस्तुत किया गया है?

उत्तर: शहर के "खुलने-भरने-खाली होने" की क्रियाएँ, लोगों की चाल, धूल, घंटे, शाम—सब मिलकर शहर को मानवीय गुणों से युक्त एक जीवित इकाई बना देते हैं।

9. दोनों कविताओं की दार्शनिक दृष्टि पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: 'बनारस' जीवन-लय और निरंतरता दिखाती है; 'दिशा' अनुभव-आधारित ज्ञान की महत्ता। दोनों में बड़े सत्य छोटे, रोज़मर्रा के दृश्यों से प्रकट होते हैं।

10. इन कविताओं का साहित्यिक महत्व लिखिए।

उत्तर: ये कविताएँ आधुनिक हिंदी कविता में अनुभव, सादगी और मानवीय संवेदना का सशक्त उदाहरण हैं। शहर और बाल-मन जैसे साधारण विषयों से गहरे अर्थ निकालकर केदारनाथ सिंह समकालीन काव्य को नई संवेदनशीलता देते हैं।

SOLANKI SIR